Prime Minister shares Sanskrit Subhashitam emphasising the belief of Swami Vivekananda on the power of youth

प्रविष्टि तिथि: 12 JAN 2026 10:11AM by PIB Delhi

The Prime Minister, Shri Narendra Modi, shared a Sanskrit Subhashitam emphasising the belief of Swami Vivekananda that youth power is the most powerful cornerstone of nation-building and the youth of India can realize every ambition with their zeal and passion:

"अङ्गणवेदी वसुधा कुल्या जलधिः स्थली च पातालम्।

वल्मीकश्च सुमेरुः कृतप्रतिज्ञस्य वीरस्य॥"

The Subhashitam conveys that, for the brave and strong willed, entire earth is like their own courtyard, seas like ponds and sky – high mountain like mole hills . Nothing on earth is impossible for those whose will is rock solid.

The Prime Minister wrote on X;

“स्वामी विवेकानंद का मानना था कि युवा शक्ति ही राष्ट्र-निर्माण की सबसे सशक्त आधारशिला है। भारतीय युवा अपने जोश और जुनून से हर संकल्प को साकार कर सकते हैं।

अङ्गणवेदी वसुधा कुल्या जलधिः स्थली च पातालम्।

वल्मीकश्च सुमेरुः कृतप्रतिज्ञस्य वीरस्य॥"

> स्वामी विवेकानंद का मानना था कि युवा शक्ति ही राष्ट्र-निर्माण की सबसे सशक्त आधारशिला है।
> भारतीय युवा अपने जोश और जुनून से हर संकल्प को साकार कर सकते हैं।
>
> अङ्गणवेदी वसुधा कुल्या जलधिः स्थली च पातालम्।
>
> वल्मीकश्च सुमेरुः कृतप्रतिज्ञस्य वीरस्य॥ pic.twitter.com/6cliyTstvE
>
> — Narendra Modi (@narendramodi) January 12, 2026

***

MJPS/VJ

(रिलीज़ आईडी: 2213537) आगंतुक पटल : 496
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Urdu , Marathi , हिन्दी , Manipuri , Bengali , Bengali-TR , Assamese , Gujarati , Tamil , Telugu , Kanna da , Malayalam